आखर हिंदी पत्रिका ; e-ISSN-2583-0597 खंड 3/अंक 3/जून 2023
Received: 09/06/2023; Accepted: 14/06/2023; Published: 24/06/2023

भारतीय समाज में किन्नर समुदाय

[1]सुनीता चौहान,
शोध छात्रा, हिंदी विभाग
Mob: 9042413391
sunitachauhan131978@gmail.com
[2]डॉ.बी. कामकोटी
शोध निर्देशिका एवं हिंदी विभागाध्यक्ष
अण्णामल्लै विश्वविद्यालय,
अण्णामल्लैनगर, चिदंबरम
तमिलनाडू

सुनीता चौहान, डॉ.बी. कामकोटी, **भारतीय समाज में किन्नर समुदाय**, आखर हिंदी पत्रिका, खंड 3/अंक 3/जून 2023 ,(326-329)

अनुरूपी लेखक: सुनीता चौहान, शोध छात्रा, हिंदी विभाग, अण्णामल्लैविश्वविद्यालय, तमिलनाडू

शोध-सारांश:

भारत एक बहुभाषी और अनेकों सभ्यताओं और संस्कृतियों का देश है जहां पर विभिन्न समुदायों के लोग आपसी प्रेम और भाईचारे के साथ रहते हैं इन्हीं समुदायों में एक समुदाय जिसका नाम किन्नर समुदाय है । भारतीय समाज में किन्नर समुदाय की स्थिति बहुत दयनीय है। किन्नर समुदाय के लोगों को हिजड़ा ,अरवानी , खवाजासरा आदि अनेकों नामों से भी जाना जाता है। किन्नर शब्द संस्कृत के शब्द क से है पौराणि"किम्पुरुष" कवियों में किन्नर के बारे में उल्लेख किया गया है। रामायण महाभारत और मनुस्मृति में भी इनका उल्लेख है। महाभारत में यह बताया भी गया है कि अर्जुन ने अज्ञातवास का एक वर्ष एक किन्नर के रूप में व्यतीत किया था।भारत में इन लोग की जनसंख्या कम हैं। आज भी इनको पूर्ण रूप से आर्थिक और सामाजिक सहयोग नहीं मिल पा रहा है।

बीज शब्द.सामाजिक अधिकार ,आर्थिक ,समस्याएं ,पौराणिक ,संस्कृति ,हिजड़ा ,किन्नर समुदाय :

प्राचीन काल से ही भारत एक बहुभाषी,और बहुसंस्कृतिक ,विभिन्न जातियों, धर्मो का और अनेकों समुदायों का देश है।भारतीय समाज विविधता की एक अनोखी मिसाल है और इसी समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है किन्नर समुदायहिजड़ा या ट्रांसजेंडर्स ,जिसे नपुंसक , आदि अनेकों नामों से संबोधित किया जाता है। किन्नर समुदाय कलासंगीत और उद्योगों में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। ,

किन्नर समुदाय के परिचय

किन्नर समुदायतीसरा लिंग का यह ,के नाम से जाना जाता है 'ईनजी'जिसे इंग्लिश में , समुदाय एक संघटित समुदाय है इस समुदाय के लोगों में पुरुष और स्त्री दोनों के गुणों होते है। इस समुदाय में व्यक्ति अपने जीवनभर इस असामान्य पहचान कू कारण एक अजीब से अंतर्द्वंद का सामना करता है।

किन्नर समुदाय का इतिहास :

किन्नर समुदाय का इतिहास बहुत वृहद और समृद्ध है। भारतीय साहित्य और पुराणों जैसे मनुस्मृति रामायण महाभारत में इनके अस्तित्व के प्रमाण मिलते हैं। हिन्दू धर्म में भी किन्नरों को भगवान की अद्भुत रचना के रूप में मान्यता मिली हुई हैं और उन्हें आदर दिया जाता हैं। पुरातन काल में पुराणों में विवाह के समय किन्नरों समुदाय के लोगों काआगमन को शुभ माना जाता है। राम और कृष्ण के जन्मोत्सव पर किन्नरों के द्वारा मंगल गान किए जाने का वर्णन तुलसीदास पर सूरदास दोनों ने किया है समाज के विभिन्न धर्मों के लोग इन्हें ईश्वर की संतान मानते हैं पुरातन काल से लेकर मुगल साम्राज्य तक तथा उसके बाद अंग्रेजों के समय से लेकर वर्तमान काल तक किन्नरों को लेकर समाज में विभिन्न तरह की कहानियां प्रसंग प्रचलित हैपरंतु , यह बात सत्य है कि आज किन्नर समुदाय को भारतीय समाज में पूर्वाग्रहों का सामना करना पड़ा है। फिर भी वे भारतीय संस्कृति में विभिन्न कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान देते रहे हैंजैसे कि कारगिल युद्ध में देश की , सुरक्षा में योगदान, करुणा काल में समाज के विभिन्न तबकों की सहायता करना आदि।

सामाजिक स्थिति और समस्याएं:

किन्नर समुदाय के लोग पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से अस्थिरता की स्थिति में होते हैं। उन्हें हमेशा सामाजिक और पारिवारिक समर्थन की कमी महसूस होती रहती है इस कारण उन्हें शिक्षारोजगार और , किन्नर समुदाय के सदस्यों को ,का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा आवास के मामले में बहुत कठिनाइयों समाज में अक्सर अपमानितउपेक्षित और सामाजिक रूप से अलग रहते है। इनकी , यह स्थित पारिवारिक सामाजिक छिन्नकारात ,भिन्नता-्मक मानसिकता और उत्पीड़न के प्रतीक हैं।

समुदाय को पहचान :

वर्तमान समय में किन्नर समुदाय अपनी पहचान को मान्यता दिलाने में धीरेधीरे कामयाब हो रहा है। वे- समाज में सांस्कृतिक परंपराओं कला और रंगमंच , तथा शिक्षा के माध्यम से एक मुकाम हासिल कर रहे हैं। किन्नर

समुदाय के लोग नृत्यकपड़े और संगीत के क्षेत्र में ,गायन , बहुत माहिर होते हैं और इन क्षेत्रों में वे उच्चतर स्तर पर प्रतिष्ठित हो रहे हैं।

समानता और उदारता:

समाज के अलगअलग क्षेत्रों में- किन्नर समुदाय के लोगों के लिए समानता और उदारता की दिशा में एक परिवर्तन देखा जा रहा है। कुछ राजनैतिक और सामाजिक संगठन विभिन्न मंचों में किन्नर समुदाय के अधिकार के लिए आवाज उठा रहे हैं और उन्हें शिक्षारोजगार और आर्थिक आधार भी ,स्वास्थ्य सुविधाएं , प्रदान कर रहे हैं। केन्द्र सरकार और राज्य सरकार भी उच्च स्तर पर इस समुदाय के अधिकारों की सुरक्षा करने के लिए कानूनी कदम उठा कर उन्हें शिक्षा में, नौकरियों में आरक्षण भी दे रही है।

सामाजिक जागरूकता और शिक्षा:

समाज में जागरूकता और शिक्षा की मदद से किन्नर समुदाय अपनी स्थिति में , धीरेधीरे सुधार ला रहा है। - कुछ राजनैतिक दल और सामाजिकसंगठन किन्नर समुदाय के सदस्यों को शिक्षाऔर आर्थिक ,रोजगार , करके उन्हें सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। इसके अलावाकिन्नर समुदाय के , लोग विभिन्न सामाजिक और राजनैतिक मंचो पर किन्नर समुदाय के लिए आवाज उठा रहे हैं और समाज में अपने अधिकारों कीमांग कर रहे हैं।

किन्नर समुदाय की सामाजिक प्राथमिकताएं

भारतीय समाज के लोगों को किन्नर समुदाय के सदस्यों के सामाजिक और मानसिक दृष्टिकोण से समझना अत्यंत आवश्यक है। किन्नर समुदाय के लोग समाज में अकेलेपनअल्पसंख्यक समुदाय के होने के कारण , पारिवारिक,सामाजिक और मनोवैज्ञानिक रूप से अनेकों चुनौतियों का सामना करते हैं। भारतीय समाज को उनकी सामाजिक और मानसिक आवश्यकताओं को समझना चाहिए और समाज में सम्मान पूर्वक उनको भी जीने का अधिकार प्रदान करना चाहिए।

भारतीय समाज में समानता और समरसता के लिए हमें सभी समुदायों के साथ-साथ किन्नर समुदाय को भी समर्थन देना चाहिए। और किन्नर समुदाय के लोगों को वे अधिकार और संरक्षण प्रदान करने चाहिए जो समाज के प्रत्येक नागरिक को मिला हुआ है। उन्हें समाज में सम्मानगरिमा और समानता का महत्वपूर्ण स्थान देना , उन्हें अभी ,चाहिए। हालांकिभी समाज की धार्मिक और सामाजिक अप्रत्याशितताओं का सामना करना पड़ता है। इसलिएइन , सब के लिए समाज के लोगों की स्वीकृति समरसता ,समानता और उदारता की दिशा में काम करना चाहिए ताकि किन्नर समुदाय का सम्मान कर सकें और आमजन इनके लिए एक समान और इंसानी दृष्टिकोण से देख सकें।

संदर्भ:

1.शर्मा.एच .आर ,, और गुप्ताअभिनव :नई दिल्ली .और समाजशास्त्र किन्नर समाज .(२००८) .सी .आर , पब्लिकेशन्स।

2.यादवजनसत्ता प्रकाशन। .एक सामाजिक अध्ययन :किन्नर समाज .(२०१०) .एस ,

3.मुखोपाध्याय संगठनिक अध्ययन।-एक सामाजिक :किन्नर .(२०१६) .प ,दिल्लीकनिष्ठा प्रकाशन। :

****